# कोटा में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में **केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री** ने **राजस्थान के** कोटा में **ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे** के विकास के लिये **सैद्धांतिक मंजूरी** प्रदान की है।

## मुख्य बिंदु

- **हवाई अड्डे के बारे में:**
  - प्रस्तावित हवाई अड्डा न केवल कोटा शहर- जिसे एक प्रमुख शिक्षा और औद्योगिक केंद्र के रूप में जाना जाता है- बल्कि व्यापक हाड़ौती क्षेत्र को भी सेवा प्रदान करेगा।
  - इससे **बूंदी, बारां और झालावाड़** जैसे ज़िलों को भी सीधा लाभ मिलेगा।
  - इस परियोजना से क्षेत्र के **हज़ारों छात्रों, व्यवसायियों और निवासियों** के लिये यात्रा सुगम होगी और **अर्थव्यवस्था को मज़बूती** मिलेगी।
  - हवाई अड्डे का विकास **रोज़गार सृजन, निवेश आकर्षण और पर्यटन** को भी बढ़ावा देगा, जिससे **स्थानीय विकास को गति** मिलेगी।
  - यह परियोजना केंद्र सरकार की "**उड़ान योजना (UDAN)**" तथा विकासशील भारत में परिवहन ढाँचे के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक ठोस कदम है।
- **ग्रीनफील्ड परियोजना (Greenfield Project):**
  - '**ग्रीनफील्ड परियोजना**' का तात्पर्य ऐसी परियोजना से है, जिसमें किसी पूर्व कार्य/परियोजना का अनुसरण नहीं किया जाता है। अवसंरचना में अप्रयुक्त भूमि पर तैयार की जाने वाली परियोजनाएँ जिनमें मौजूदा संरचना को फिर से तैयार करने या ध्वस्त करने की आवश्यकता नहीं होती है, उन्हें 'ग्रीन फील्ड परियोजना' कहा जाता है।

# उड़ान योजना

## (उड़े देश का आम नागरिक)

### परिचय:

- यह एक क्षेत्रीय संपर्क योजना है।
- इसे वर्ष **2016** में लॉन्च किया गया।
- यह योजना **10** वर्षों की अवधि के लिये परिचालित की गई है।
- उड़ान **(UDAN)** योजना का विस्तृत रूप **"Ude Desh ka Aam Nagrik"** है।
- इसे राष्ट्रीय नागर विमानन नीति-2016 के अनुसरण में तैयार किया गया है।
- इसे नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अंतर्गत क्रियान्वित किया गया।

### लाभ:

- विमानन क्षेत्र का लोकतंत्रीकरण।
- रोज़गार सृजन।
- पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा।

### विशेषताएँ

- हवाई सेवा के माध्यम से छोटे और मध्यम शहरों को बड़े शहरों से जोड़ना।
- सस्ती, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और लाभदायक हवाई यात्रा प्रदान करना।
- असेवित और कम सेवा वाले हवाई अड्डों से संचालन को प्रोत्साहित करने के लिये चयनित एयरलाइनों को वित्तीय प्रोत्साहन देना।
- कुछ उड़ानों पर लेवी के माध्यम से योजना के वित्तीयन के लिये एक क्षेत्रीय कनेक्टिविटी फंड बनाना।

### उड़ान योजना के विभिन्न चरण:

- **उड़ान 1.0:** इस चरण में **70** हवाई अड्डों के लिये **128** उड़ान मार्गों को **5** एयरलाइन कंपनियों को प्रदान किया गया।
- **उड़ान 2.0:** उड़ान योजना के दूसरे चरण के तहत पहली बार हेलीपैड भी योजना से जोड़े गए थे।
- **उड़ान 3.0:** इसमें टूरिस्ट रूट, वाटर एयरोड्रोम को जोड़ने के लिये सीप्लेन और नॉर्थ-ईस्ट कनेक्टिविटी शामिल हैं।
- **उड़ान 4.0:** वर्ष 2020 में उड़ान योजना के चौथे चरण के तहत **78** नए मार्गों के लिये मंज़ूरी दी गई थी।
- **उड़ान 4.1:** इस चरण में सागरमाला सीप्लेन सेवाओं के तहत नए रूट भी प्रस्तावित किये गए हैं।
- **लाइफलाइन उड़ान:** कोविड-**19** के समय में पूरे भारत में मेडिकल कार्गो और आवश्यक आपूर्ति का हवाई परिवहन।
- **कृषि उड़ान:** कृषि उत्पादों के परिवहन में किसानों की सहायता करना
- **अंतर्राष्ट्रीय उड़ान:** भारत के छोटे शहरों को कुछ प्रमुख विदेशी गंतव्यों से सीधे जोड़ने के लिये परिचालित किया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/greenfield-airport-in-kota-1